29.12.25_1.09.25 Final.qxd 29-01-2026 09:17 Page 1

29 जनवरी 2025
गुरूवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

कतिकनार में मनरेगा योजना में भारी गड़बड़ी का खुलासा मास्टर रोल में फर्जी उपस्थिति दर्ज होने का आरोप

2

अजित पवार का विमान हादसे में निधन

- बारामती दशकों से पवार परिवार का राजनीतिक गढ़ रहा
- यहीं से शुरू हुआ, यहीं समाप्त हुआ उनका राजनीतिक सफर
- अजित पवार के बेटे पार्थ पवार अपने पिता को अंतिम श्रद्धांजलि देने पहुंचे

एजेंसी । नई दिल्ली

राकांपा के मुखिया और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बुधवार सुबह एक विमान हादसे में निधन हो गया। इस दुर्घटना में विमान के क्रू और अजित के पीए समेत पांच लोगों की जान गई। इस घटना के बाद पूरे महाराष्ट्र के सियासी जगत में शोक की लहर दौड़ गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर शोक जताया। दूसरी तरफ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने अजित पवार के घर पहुंचकर उनके परिवार के साथ संवेदना प्रकट की। जिस बरामती ने उन्हें सत्ता तक पहुंचाया, उसी जमीन पर उनका अंत होना कई लोगों के लिए बेहद भावुक और प्रतीकात्मक पल बन गया।बरामती दशकों से पवार परिवार का गढ़ रहा है। यहीं से शरद पवार ने अपनी राजनीति की मजबूत नींव रखी और यहीं से अजीत पवार ने भी एक बड़े नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई। इस शहर ने पवार परिवार की राजनीति को आकार दिया। 1967 से बरामती सीट पवार परिवार के पास रही। पहले शरद पवार और फिर 1991 से अजीत पवार ने इस सीट का प्रतिनिधित्व किया। अजीत पवार ने अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत कांग्रेस से की थी और 1999 में एनसीपी बनने के बाद वे उसी में शामिल हो गए। बरामती में अजीत पवार की पहचान एक जमीनी नेता के रूप में बनी। गांव-गांव तक उनकी पकड़ और लगातार संपर्क ने उन्हें यहां मजबूत समर्थन दिलाया। सालों तक किया गया विकास कार्य उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत माना गया।

2024 का विधानसभा चुनाव बरामती के इतिहास में सबसे अहम माना गया। पहली बार ऐसा हुआ जब शरद पवार की राजनीतिक इच्छा निर्णायक साबित नहीं हुई। अजीत पवार ने अपने भतीजे युगेंद्र पवार को एक लाख से ज्यादा वोटों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की।

परिवार बनाम राजनीति की जंग

यह चुनाव 2023 में हुए एनसीपी विभाजन के बाद हुआ, जिसमें अजीत पवार और शरद पवार अलग-अलग गुटों के नेता बन गए। चुनाव प्रचार पूरी तरह पारिवारिक टकराव में बदल गया था। शरद पवार के गुट ने इसे विश्वासघात बताया, जबकि अजीत पवार के समर्थकों ने खुद को परिवार से अलग किए जाने की बात कही।जीत के बाद अजीत पवार की पत्नी और राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार ने कहा था कि बरामती के लोगों ने साबित कर दिया कि वे ही 'दादा का असली परिवार' हैं। यह बयान उस चुनाव की भावनात्मक पृष्ठभूमि को दिखाता है।इससे पहले लोकसभा चुनाव में अजीत पवार ने अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के खिलाफ उतारा था, जिसमें सुप्रिया सुले ने जीत हासिल की थी। इसके बाद अजीत पवार ने बरामती से चुनाव न लड़ने की बात कही थी, लेकिन बाद में उन्होंने फैसला बदला और विधानसभा चुनाव जीत लिया।
राजनीति में ईमानदारी की कीमत चुकानी पड़ती है

भारत बनेगा ग्लोबल हवाई गेटवे : पीएम मोदी

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विमानन शिखर सम्मेलन में नागरिक उड्डयन क्षेत्र में निवेश का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारतीय विमानन क्षेत्र ने ऐतिहासिक रूप से बदलाव और विकास देखा है। उन्होंने बताया कि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया के प्रमुख विमानन केंद्रों में शामिल होगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में 2047 तक भारत में 400 से अधिक हवाई अड्डे होंगे। यह संख्या न सिर्फ यात्रियों के लिए सुविधा बढ़ाएगी, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और व्यापार को भी मजबूती देगी। पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत अब सिर्फ घरेलू यात्रा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ग्लोबल साउथ और दुनिया के बाकी हिस्सों के बीच एक बड़ा हवाई गेटवे बन रहा है। इसका मतलब है कि भारत अंतरराष्ट्रीय विमानन क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने निवेशकों और विमानन से जुड़े उत्पादक कंपनियों को भी अवसर की ओर ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि देश के विमानन क्षेत्र में निवेश और निर्माण के लिए बहुत बड़े मौके हैं। पीएम मोदी ने यह भी जोर दिया कि भारत को विमानन क्षेत्र में खुद पर निर्भर रहने की दिशा में काम करना होगा और अन्य देशों पर निर्भरता कम करनी होगी।

सामाजिक न्याय, अर्थव्यवस्था और अंतरिक्ष में प्रगति पर जोर

अर्थव्यवस्था-रोजगार पर फोकस और पूर्वी भारत के विकास पर जोर: राष्ट्रपति

- बजट सत्र दो चरणों में, आर्थिक सर्वेक्षण और बजट पेश होगा
- पूर्वी भारत के विकास और गरीबी उन्मूलन पर विशेष ध्यान

एजेंसी । नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र 2026-27 की शुरूआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के संबोधन से हुई। लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने सरकार की प्राथमिकताओं, उपलब्धियों और आगे की दिशा को साफ शब्दों में रखा है।

विपक्ष के हंगामे के बीच शुरू हुए इस भाषण में सामाजिक न्याय, अर्थव्यवस्था, अंतरिक्ष, पूर्वी भारत और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अहम मुद्दे छाए रहे। बजट सत्र दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। पहला चरण बुधवार से शुरू होकर 13 फरवरी तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा, जिसमें बजट पर विस्तृत चर्चा होगी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी।

सामाजिक न्याय पर सरकार की प्रतिबद्धता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि केंद्र सरकार सामाजिक न्याय के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि आज देश के लगभग 95 करोड़ नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उनके अनुसार, पिछले 10 वर्षों में करीब 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार के तीसरे कार्यकाल में गरीबों को और सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके साथ ही भ्रष्टाचार और घोटालों पर लगाम लगाकर सार्वजनिक धन के सही उपयोग को सुनिश्चित किया गया है।

अंतरिक्ष में भारत की ऐतिहासिक उड़ान

अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचना एक ऐतिहासिक यात्रा की शुरूआत है। राष्ट्रपति ने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत अपना खुद का स्पेस स्टेशन बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। गगनयान मिशन पर देश उत्साह के साथ काम कर रहा है, और अब अंतरिक्ष पर्यटन भी भारतीयों की पहुंच में आता दिख रहा है।

केंद्र ने बदले वायु और जल प्रदूषण कानून के नियम

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली केंद्र सरकार ने उद्योगों के लिए व्यापार को आसान बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने वायु और जल प्रदूषण से जुड़े कानूनों के तहत दिशानिर्देशों में संशोधन किया है। इन बदलावों का मुख्य उद्देश्य सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में उद्योगों के लिए मंजूरी की प्रक्रिया को और सरल बनाना है। इससे कागजी कार्रवाई कम होगी और उद्योगों को अपना काम जारी रखने में मदद मिलेगी। नए नियमों के तहत सबसे बड़ा बदलाव संचालन की सहमति की वैधता को लेकर किया गया है। अब एक बार सीटीओ मिलने के बाद यह तब तक वैध रहेगा, जब तक इसे रद्द नहीं किया जाता। हालांकि, पर्यावरण नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर निरीक्षण जारी रहेगा। अगर कोई उद्योग नियमों का उल्लंघन करता है तो उसकी सहमति रद्द की जा सकती है। इस बदलाव से बार-बार रिन्यूअल कराने की जरूरत खत्म हो जाएगी, जिससे उद्योगों पर अनुपालन का बोझ कम होगा। इसके अलावा लाल श्रेणी के उद्योगों के लिए सहमति देने की प्रक्रिया का समय 120 दिनों से घटाकर 90 दिन कर दिया गया है। इससे सीटीओ के रिन्यूअल में होने वाली देरी से संचालन में आने वाली अनिश्चितता भी खत्म होगी।एक और बदलाव एकीकृत सहमति और प्राधिकरण के प्रावधान से जुड़ा हुआ है।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर

बक्सर, 28 जनवरी 2026
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

कतिकनार में मनरेगा योजना में भारी गड़बड़ी का खुलासा मास्टर रोल में फर्जी उपस्थिति दर्ज होने का आरोप

केटी न्यूज/केसठ।

प्रखंड क्षेत्र के कतिकनार गांव में संचालित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में गंभीर अनियमितता का मामला सामने आया है। यहां एक ही योजना के तहत तैयार किए गए दो अलग अलग मास्टर रोल में मजदूरों की उपस्थिति को लेकर भारी गड़बड़ी पाए जाने का आरोप है। मामला 27 जनवरी का बताया जा रहा है, जिसने मनरेगा व्यवस्था की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार योजना संख्या 20581626 के अंतर्गत मास्टर रोल संख्या 2191 और 2192 जारी किए गए हैं। मास्टर रोल संख्या 2191 में कुल 10 मजदूर दर्शाए गए हैं, जिनमें 2 महिला और 8 पुरुष शामिल हैं, जबकि मास्टर रोल संख्या 2192 में 3 महिला और 7 पुरुष मजदूरों के नाम दर्ज हैं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि विभागीय वेबसाइट पर अपलोड की गई ऑनलाइन उपस्थिति में दोनों ही मास्टर रोल में पांचदपांच महिलाओं और पांच पांच पुरुषों की तस्वीरें दिखाई दे रही हैं।वो अभी एक ही मजदूर दोनों मास्टर रॉल में दिखाई दे रहे है जब की नियम ये बताता है कि जो मजदूर किसी एक मास्टर रॉल में काम कर रहा है वो अगले 15 दिनों तक किसी दूसरे मास्टर रॉल में काम नहीं कर सेट है।यानी कागजों में दर्ज नाम और ऑनलाइन तस्वीरों में स्पष्ट अंतर है।इससे फर्जी हाजिरी और मजदूरी भुगतान में गड़बड़ी की आशंका और भी गहराती जा रही है। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि कई जॉब कार्डधारी मजदूर स्वयं कार्य स्थल पर काम नहीं करते, बल्कि उनके स्थान पर दूसरे लोग काम करते हैं और भुगतान

> मामले की जानकारी नहीं थी, मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली है। इसकी जांच करवा संबंधित लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।
>
> **विजय कुमार सौरव, प्रखंड विकास पदाधिकारी, केसठ।**

असली लाभार्थियों के नाम पर निकाल लिया जाता है। आरोप है कि इस पूरी प्रक्रिया में बिचौलियों और कुछ संबंधित कर्मियों की मिलीभगत से मनरेगा की राशि की कथित रूप से बंदरबांट की जाती है।ग्रामीणों का यह भी कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब कतिकनार या आसपास के क्षेत्रों में मनरेगा योजनाओं में फर्जी मास्टर रोल, गलत उपस्थिति और गुणवत्ता विहीन कार्य की शिकायत सामने आई हो। पूर्व में भी इस तरह के मामले उजागर हुए हैं, लेकिन ठोस कार्रवाई के अभाव में ऐसे अनियमित मामलों को बढ़ावा मिलता रहा है।सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि पूरे मामले पर अब तक संबंधित विभागीय अधिकारी मौन साधे हुए हैं। न तो किसी तरह की जांच की घोषणा की गई है और न ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के संकेत मिले हैं। जबकि नियम के अनुसार उक्त योजना के अभिकर्ता पंचायत के रोजगार सेवक होते हैं और उन्हीं की देखरेख में कार्य संपादित कराया जाता है। ऐसे में इतनी बड़ी गड़बड़ी ंचायत रोजगार सेवक की भूमिका पर भी सवाल खड़े करती है।बताया जाता है कि इस मामले की खबर प्रकाशित न हो, इसके लिए कथित रूप से पंचायत स्तर से जुड़े कुछ बिचौलियों द्वारा पत्रकार को धमकाने और मामले को मैनेज करने की कोशिश भी की गई। वहीं कुछ पंचायत समिति सदस्यों द्वारा भी खबर को रोकने और आपसी समझौते की बात कहे जाने की चर्चा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि ईमानदारी से जांच कराई जाए तो प्रखंड क्षेत्र में मनरेगा की कई ऐसी योजनाएं सामने आ सकती हैं, जहां न तो प्राक्कलित राशि का बोर्ड लगाया गया है और न ही कार्य की गुणवत्ता संतोषजनक है। विशेष रूप से मिट्टी कार्य से जुड़ी योजनाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितता और राशि की कथित सेंधमारी की बात कही जा रही है।अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर मामले में जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करता है या यह मामला भी अन्य शिकायतों की तरह फाइलों में ही दबकर रह जाता है।

सरकारी गाड़ी, निजी लापरवाही : बक्सर में टैक्स विभाग की स्कॉर्पियो ने रिहायशी इलाके में मचाया कहर, जवाबदेही पर उठे सवाल

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर शहर में रिहायशी इलाकों में सरकारी वाहनों की बेकाबू रफ्तार अब आम लोगों के लिए खतरे की घंटी बनती जा रही है। बुधवार को बाजार समिति रोड पर वाणिज्य कर विभाग की एक स्कॉर्पियो ने जिस तरह ई-रिक्शा को टक्कर मारी, उसने प्रशासनिक लापरवाही और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सरकारी स्कॉर्पियो अत्यधिक तेज गति में थी और अचानक सामने आए ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ई-रिक्शा उछलकर पेड़ से टकराया और पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में ई-रिक्शा चालक समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां चालक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद स्कॉर्पियो सड़क किनारे स्थित एक निजी मकान की बाउंड्री से जा टकराई, जिससे बाउंड्री पूरी तरह टूट गई। गनीमत रही कि अंदर खड़ी कार सुरक्षित बच गई, नहीं तो नुकसान और बड़ा हो सकता था। घटना के बाद सबसे गंभीर सवाल यह उठा कि दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सरकारी विभागों में निजी चालकों से वाहन चलवाए जा रहे हैं, जिनकी न तो नियमित निगरानी होती है और न ही जवाबदेही तय है। यही कारण है कि रिहायशी इलाकों में भी सरकारी गाड़ियां नियमों को ताक पर रखकर दौड़ती नजर आती हैं।हादसे के बाद इलाके में आक्रोश का माहौल है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सरकारी वाहनों की गति, चालक और जवाबदेही को लेकर सख्त नियम लागू नहीं किए गए, तो ऐसे हादसे दोहराते रहेंगे। अब निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस मामले में सिर्फ जांच तक सीमित रहता है या वास्तव में जिम्मेदारों पर कार्रवाई करता है।

जिले के टॉप टेन में शामिल महदह लूटकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, तीन सालों से चल रहा था फरार

केटी न्यूज/चौसा

लगातार प्रयास, तकनीकी निगरानी और स्थानीय इनपुट के सहारे मुफस्सिल थाना पुलिस ने महदह गांव में हुए चर्चित लूटकांड के मुख्य आरोपी मिथिलेश राजभर उर्फ करिया को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया। तीन वर्षों से कानून की पकड़ से बाहर चल रहा था। पुलिस ने उसे जिले के टॉप टेन अपराधियों की फेहरिस्त में शामिल किया था। वह मूल रूप से सिमरी प्रखंड के तिलक राय के हाता का रहने वाला है। इस गिरफ्तारी को पुलिस की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है, क्योंकि आरोपी लंबे समय तक राज्य से बाहर रहकर पहचान छुपाने में सफल रहा था।पुलिस सूत्रों के अनुसार महदह गांव में हुई लूट की घटना के बाद आरोपी ने तत्काल अपना ठिकाना बदल लिया था और गुजरात में मजदूरी के बहाने नया ठिकाना बना लिया। इस दौरान उसने न सिर्फ अपनी गतिविधियां सीमित रखीं,

बल्कि स्थानीय स्तर पर किसी से संपर्क भी नहीं किया। हालांकि, पुलिस लगातार उसके नेटवर्क और संभावित मूवमेंट पर नजर बनाए हुए थी।घटना में बदमाशों द्वारा एक बाइक, सोने की चेन और नकदी की लूट की गई थी, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई थी। पुलिस ने शुरूआती जांच में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, लेकिन मुख्य साजिशकर्ता की गिरफ्तारी चुनौती बनी हुई थी। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी अपने घर लौटा है और सीमित समय के लिए गांव में रुका हुआ है।अपर थानाध्यक्ष चन्दन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सूचना की पुष्टि के बाद योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की। बिना किसी शोर-शराबे के की गई कार्रवाई में आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के दौरान किसी प्रकार का विरोध नहीं हुआ।

पुलिस अधिकारियों का मानना है कि मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी से न केवल लूटकांड की पूरी कड़ी जुड़ सकेगी, बल्कि क्षेत्र में सक्रिय अन्य आपराधिक नेटवर्क के बारे में भी अहम जानकारियां मिल सकती हैं। फिलहाल आरोपी से गहन पूछताछ जारी है और उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। पुलिस का दावा है कि फरारी चाहे जितनी लंबी हो, कानून से बचना संभव नहीं।

उड़ियानगंज में दरवाजे पर चढ़ महिला व उसकी बेटी पर हमला

केटी न्यूज/बक्सर

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के उड़ियानगंज गांव में दबंगई का एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक महिला के घर पर पहुंचकर न सिर्फ उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई, बल्कि उसकी दुकान में तोड़फोड़ कर करीब 20 हजार रुपये का नुकसान भी पहुंचाया गया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है।

पीड़िता आरती देवी के अनुसार 13 दिसंबर को कुछ लोग अचानक उनके दरवाजे पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। हमले में वह घायल हो गईं। आरोप है कि हमलावरों ने पास की दुकान को भी निशाना बनाया और सामान तोड़कर नुकसान पहुंचाया। जान बचाने के लिए आरती देवी किसी तरह घर में घुसीं, लेकिन आरोपियों का उत्पात यहीं नहीं रुका।

प्राथमिकी के मुताबिक, आरोपी सीढ़ी के रास्ते घर में घुस आए और उनकी बेटी के साथ भी दुर्व्यवहार किया। घटना से पूरे परिवार में दहशत का माहौल है।

पीड़िता के बयान पर सूरज राय, डब्लू राय, प्रदीप राय, रामनेवास राय समेत दो महिलाओं को नामजद आरोपी बनाया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बक्सर में रोजगार का सुनहरा मौका : 30 जनवरी को जिला नियोजनालय में एकदिवसीय रोजगार

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार पाने का एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। जिला नियोजनालय, बक्सर की ओर से 30 जनवरी को एक दिवसीय रोजगार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें बाहर भटकने की जरूरत न पड़े और जिले में ही नौकरी का अवसर मिल सके।

इस रोजगार शिविर में दो नामी कंपनियां भाग ले रही हैं। पहली कंपनी वेस्टर्न रेफ्रिजरेशन प्राइवेट लिमिटेड है, जिसमें मशीन परिचालक के पद पर कुल 20 रिक्तियां उपलब्ध हैं। इन पदों के लिए 18 से 28 वर्ष आयु वर्ग के अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) उत्तीर्ण निर्धारित की गई है, जिसमें फिटर, टर्नर, मशीनिस्ट, मैकेनिकल और वेल्डर ट्रेड शामिल हैं। चयनित अभ्यर्थियों को 18,900 रुपये मासिक वेतन दिया जाएगा।

वहीं दूसरी कंपनी ऑटोलिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड है, जो केवल महिला अभ्यर्थियों के लिए अवसर प्रदान कर रही है। इस कंपनी में मशीन परिचालक के 50 पदों पर सीधी भर्ती की जाएगी। इसके लिए आयु सीमा 18 वर्ष निर्धारित है और आईटीआई उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। चयनित महिलाओं को 18,200 रुपये मासिक वेतन मिलेगा।

यह रोजगार शिविर संयुक्त श्रम भवन, आईटीआई मैदान, बक्सर स्थित जिला नियोजनालय परिसर में आयोजित किया जाएगा। चयन प्रक्रिया पूरी तरह से मौके पर ही अभ्यर्थियों की योग्यता के आधार पर की जाएगी।

रोजगार शिविर में भाग लेने के लिए जिला नियोजनालय में पंजीकरण अनिवार्य है। जो अभ्यर्थी अब तक पंजीकृत नहीं हैं, वे राष्ट्रीय कैरियर सेवा पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। शिविर में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा।

अभ्यर्थियों को अपने साथ बायोडाटा और आधार कार्ड लाना अनिवार्य होगा। नियुक्ति की शर्तें संबंधित कंपनियों द्वारा तय की जाएंगी, जबकि जिला नियोजनालय की भूमिका केवल सुविधा प्रदाता की होगी। यह शिविर पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक चलेगा। प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी ने युवाओं से इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है।

वैज्ञानिक पशुपालन से बदलेगी गांव की तस्वीर, आय बढ़ाने पर रहा फोकस

केटी न्यूज/चौसा

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की दिशा में चौसा प्रखंड के सरेंजा पंचायत में एक अहम पहल देखने को मिली, जहां पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य केवल पशुओं के इलाज तक सीमित न रहकर पशुपालकों की आय में स्थायी वृद्धि और आजीविका के सुदृढ़ीकरण पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम के दौरान यह संदेश प्रमुखता से उभरा कि वैज्ञानिक पशुपालन अपनाकर ग्रामीण परिवार अपनी आमदनी को दोगुना कर सकते हैं। विशेषज्ञों ने पशुपालन को पारंपरिक तरीके से आगे बढ़ाने के बजाय आधुनिक तकनीकों से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि सही समय पर टीकाकरण, संतुलित आहार और साफ-सुथरे पशु आवास से न केवल पशुओं की सेहत सुधरती है, बल्कि दुग्ध उत्पादन और बाजार में उनकी कीमत भी बढ़ती है। शिविर में पशुपालकों को यह भी समझाया गया कि पशुओं में होने वाली मौसमी बीमारियों की समय रहते पहचान कर नुकसान से बचा जा सकता है। प्राथमिक उपचार, नियमित स्वास्थ्य जांच और कृमिनाशक दवाओं के उपयोग से पशुपालन कम खर्च में अधिक लाभ देने वाला व्यवसाय बन सकता है। कई पशुपालकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जानकारी के अभाव में पहले उन्हें नुकसान उठाना पड़ता था, लेकिन ऐसे कार्यक्रम उन्हें सही दिशा दिखा रहे हैं। जीविका से जुड़े अधिकारियों और समन्वयकों ने समूह आधारित पशुपालन मॉडल पर भी चर्चा की, जिससे छोटे पशुपालक मिलकर बड़े स्तर पर उत्पादन और विपणन कर सकें।

कृषि आंकड़ों की शुद्धता पर विशेष जोर, रबी मौसम को लेकर बक्सर में एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित

कृषि वर्ष 2025-26 के लिए कृषि सांख्यिकी कर्मियों का क्षमतावर्द्धन, डिजिटल पोर्टल व मोबाइल अनुप्रयोगों की दी गई जानकारी

केटी न्यूज/बक्सर

कृषि वर्ष 2025-26 के दौरान कृषि सांख्यिकी कार्यों को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बक्सर अनुमंडल के सभी प्रखंडों के संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों के लिए एक दिवसीय आवृत्तिचर्या प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन बुधवार को नगर भवन, बक्सर में किया गया। इस

प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सांख्यिकी पदाधिकारी मोती कुमार दिनकर ने की। कार्यशाला का शुभारंभ जिला सांख्यिकी पदाधिकारी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कृषि सांख्यिकी के अंतर्गत आंकड़ा संग्रहण की शुद्धता एवं समयबद्धता पर विशेष बल दिया। उन्होंने उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया कि कृषि से संबंधित सभी आंकड़ों का संकलन एवं प्रतिवेदन निर्धारित समय-सीमा के भीतर सटीक रूप से सुनिश्चित किया जाए। जिला सांख्यिकी पदाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि सांख्यिकी के आंकड़े केवल कागजी प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि इनका सीधा संबंध किसानों के हितों से जुड़ा हुआ है। प्राकृतिक आपदा, सूखा या अन्य कारणों से फसल क्षति की स्थिति में इन्हीं आंकड़ों के आधार पर किसानों को क्षतिपूर्ति का लाभ मिलता है। इसके अतिरिक्त राज्य एवं केंद्र सरकार की कृषि नीतियों के निर्माण, योजना निर्धारण एवं विकास कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने में भी कृषि आंकड़े अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं। प्रशिक्षण सत्र का संचालन सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी, इटाढ़ी हेमंत कुमार चौबे तथा जिला सांख्यिकी कार्यालय, बक्सर के सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी अभय प्रताप सिंह द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कृषि सांख्यिकी से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इसमें फसल क्षेत्र सर्वेक्षण, खेसरा पंजी का संधारण, जिन्सवार एवं द्वितीय जिन्सवार विवरण, भूमि उपयोग विवरणी, शुद्ध सिंचित क्षेत्र की जानकारी, प्रक्षेत्र मूल्य निर्धारण, नेत्रांकन विधि, फसल सांख्यिकी में सुधार की प्रक्रिया तथा फसल कटनी प्रयोग जैसे विषय प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके साथ ही प्रतिभागियों को सरकार द्वारा संचालित डिजिटल सांख्यिकी पोर्टल, फसल कटनी प्रयोग कृषि मोबाइल अनुप्रयोग तथा डिजिटल सामान्य फसल अनुमान प्रणाली अनुप्रयोग के माध्यम से ऑनलाइन प्रक्रिया की जानकारी दी गई। इन माध्यमों से आंकड़ा प्रविष्टि, अद्यतन एवं प्रतिवेदन भेजने की विधि को सरल तरीके से समझाया गया, ताकि भविष्य में कार्य निष्पादन अधिक सहज, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित हो सके। इस अनुमंडल स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजस्व अधिकारी चौसा, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी, सहायक एवं प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी, राजस्व कर्मचारी, किसान सलाहकार, कृषि समन्वयक सहित अन्य संबंधित कर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यशाला के समापन पर अधिकारियों ने इस प्रकार के प्रशिक्षण को कृषि प्रशासन एवं किसान हित में अत्यंत उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

29.12.25_1.09.25 Final.qxd 29-01-2026 09:17 Page 3

बच्चों के सम्मान से मजबूत हुई पुलिस-समाज की भरोसे की डोर

गणतंत्र दिवस पर बेहतर प्रस्तुति देने वाले छात्रों व कैडेट्स को एसपी ने किया सम्मानित

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव थाना परिसर बुधवार को सिर्फ कानून-व्यवस्था का केंद्र नहीं, बल्कि प्रेरणा और सकारात्मक सोच का मंच बन गया। थानाध्यक्ष के नेतृत्व में आयोजित एक विशेष सम्मान समारोह में उन छात्र-छात्राओं तथा एनसीसी के कैडेट्स को सम्मानित किया गया, जिन्होंने गणतंत्र दिवस और सरस्वती पूजा जैसे अवसरों पर अनुशासन, प्रतिभा और जिम्मेदारी का परिचय देकर समाज के लिए मिसाल पेश की। यह आयोजन पुलिस और समाज के बीच विश्वास को और मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है। खास यह कि उन्हें पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र खुद पुलिस कप्तान शुभम आर्य ने अपने हाथों दिया।

समारोह की अगुवाई एसपी शुभम आर्या ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पुलिस का दायित्व केवल कानून लागू करना नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को सही दिशा देना भी है। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन, राष्ट्रप्रेम और नियमों का पालन जीवन में सफलता की कुंजी है। ऐसे आयोजन बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और उन्हें सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में गणतंत्र दिवस पर एनसीसी परेड का सफल नेतृत्व करने वाले आलोक कुमार चौबे को विशेष सम्मान मिला। उनकी परेड कमांड को अधिकारियों और उपस्थित लोगों ने अनुकरणीय बताया। वहीं राइजिंग सन इंटरनेशनल स्कूल की छात्राओं ने राष्ट्रीय गान की सुमधुर प्रस्तुति और अनुशासित परेड से सभी का मन जीत लिया, जिसके लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। डुमरांव कैम्ब्रिज स्कूल की छात्राओं को भी उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

सरस्वती पूजा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने और जिला प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने वाले पूजा समितियों और छात्रों की भी सराहना की गई। अधिकारियों ने कहा कि त्योहारों में अनुशासन और सहयोग से ही सामाजिक सौहार्द ायम रहता है।

कार्यक्रम का संचालन राज हाई स्कूल के प्रभारी प्रधानाचार्य अनुराग कुमार ने प्रभावशाली ढंग से किया, जिससे समारोह गरिमामय और सुव्यवस्थित बना रहा। मौके पर एसडीपीओ पोलस्त कुमार और डुमरांव थानाध्यक्ष संजय सिन्हा भी मौजूद रहे। उन्होंने बच्चों को कानून के सम्मान और सामाजिक जिम्मेदारियों के महत्व को समझाया।

समारोह के अंत में सभी सम्मानित छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। यह आयोजन इस बात का उदाहरण बना कि जब पुलिस और समाज मिलकर सकारात्मक पहल करते हैं, तो उसका असर दूर तक जाता है।

एक नजर

दिव्यांग बच्चों के लिए आज लगेगा जांच शिविर

केसठ। प्रखंड संसाधन केंद्र केसठ के परिसर में गुरुवार को दिव्यांग बच्चों के लिए दिव्यांगता जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के सभी प्रकार के दिव्यांग बच्चों के लिए लगाया जा रहा है। प्रखंड संसाधन केंद्र के संसाधन शिक्षक नागेंद्र तिवारी ने बताया कि शिविर का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों की पहचान कर उन्हें आवश्यक सहायक उपकरण, शिक्षण सामग्री तथा आवश्यकता अनुसार शल्य चिकित्सा के लिए चिन्हित करना है। शिविर में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों की टीम मौजूद रहेगी, जो बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर दिव्यांगता का आकलन करेगी। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पात्र दिव्यांग बच्चों को बैसाखी, व्हीलचेयर सहित अन्य आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए चिन्हित किया जाएगा, ताकि उन्हें शिक्षा और दैनिक जीवन में सुविधा मिल सके। शिविर को लेकर अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपने दिव्यांग बच्चों को निर्धारित समय पर प्रखंड संसाधन केंद्र केसठ में लेकर पहुंचें, ताकि बच्चों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जा सके।

जल जीवन हरियाली पर छात्राओं की एकांकी ने बांधा समां

केसठ। खंड क्षेत्र के मध्य विद्यालय रामपुर के परिसर में बुधवार को एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता के उद्देश्य से किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन भोजपुरी कवि अजय बच्चन एवं वार्ड प्रतिनिधि जयराम सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार चौबे ने की, जबकि मंच संचालन का दायित्व बृज बिहारी सिंह एवं अखंड प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से निभाया।इस अवसर पर मीना मंच की छात्राओं द्वारा जल, जीवन और हरियाली विषय पर आधारित एकांकी नाटक की प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई। नाटक के माध्यम से छात्राओं ने जल संरक्षण, वृक्षारोपण और पर्यावरण संतुलन के महत्व को सरल और रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। छात्राओं के सजीव अभिनय और संवादों ने उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया और पर्यावरण के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया।इसके अलावा विद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं ने गीत, भजन एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों की प्रस्तुतियों ने पूरे परिसर को उत्साह और उल्लास से भर दिया। दर्शक बच्चों के अभिनय और गायन से इतने प्रभावित हुए कि वे तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका उत्साहवर्धन करते नजर आए।

कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय परिवार की ओर से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रछात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और सामाजिक मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता विकसित होती है।

मौके पर सरपंच विष्णु देव पासवान, जय कुमार सिंह, मुस्ताक अंसारी, नवाब सिंह सहित कई गणमान्य लोग, अभिभावक एवं ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने विद्यालय के इस प्रयास की सराहना की और भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

हवन पूजन व प्रसाद वितरण के साथ 25वां पांच दिवसीय श्रीराम कथा संपन्न

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड क्षेत्र के दसियांव गांव स्थित पोखरा शिव मंदिर परिसर में बाबा हरसू ब्रह्म बाबा की जयंती श्रद्धा, भक्ति और आस्था के वातावरण में भव्य रूप से मनाई गई। इस अवसर पर बाबा हरसू मानस मंडल के तत्वावधान में आयोजित 25वां पांच दिवसीय श्रीराम कथा कार्यक्रम हवन-पूजन और प्रसाद वितरण के साथ विधिवत रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत हवन-पूजन किया गया। साथ ही भगवान शिव का रुद्राभिषेक एवं श्रीराम कथा का आयोजन किया गया, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिरस से सराबोर हो उठा। कथावाचन के क्रम में श्रीराम-जानकी विवाह प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और वातावरण जय श्रीराम के जयघोष से गुंजायमान हो गया। कथा के साथ-साथ चल रहे यज्ञ, हवन और मंत्रोच्चार से क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता रहा। कार्यक्रम में न केवल दसियांव गांव, बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और बाबा हरसू ब्रह्म के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंतिम दिन भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इसके साथ ही धर्म, संस्कृति एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले विद्वतजनों एवं आयोजन में सहयोग करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता आयोजन समिति के अध्यक्ष श्यामाकांत दूबे ने की, जबकि मंच संचालन सतीश कुमार द्विवेदी ने किया। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के धार्मिक आयोजनों से समाज में धार्मिक चेतना, आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूती मिलती है।आयोजन को सफल बनाने में बाबा हरसू मानस मंडल के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं ग्रामीणों का विशेष योगदान रहा। ग्रामीणों ने एक स्वर में आयोजन समिति की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस तरह के धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की इच्छा जताई।

डुमरांव थाना में एसपी का औचक निरीक्षण, 137 लंबित कांड देख भड़के, लापरवाही पर सख्त चेतावनी

- जन शिकायत डायरी से लेकर वारंट निष्पादन तक मिली भारी खामियां, एक सप्ताह में सुधार का अल्टीमेटम

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव थाने का बुधवार को एसपी शुभम आर्य ने औचक निरीक्षण किया। एसपी के थाना परिसर में प्रवेश करते ही अधिकारियों और कर्मियों के बीच हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाना की कार्यप्रणाली, अभिलेखों की स्थिति, कांड रजिस्टर, लंबित मामलों, वारंट निष्पादन और जन शिकायत से जुड़े कार्यों की बारीकी से समीक्षा की। इस दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिस पर एसपी ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि अब लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के क्रम में सामने आया कि डुमरांव थाना में कुल करीब 137 आपराधिक मामले लंबित हैं। मामलों की इतनी बड़ी संख्या देखकर एसपी ने गहरी नाराजगी जाहिर की और इसे थानास्तर पर गंभीर शिथिलता का परिणाम बताया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी लंबित कांडों की प्राथमिकता के आधार पर समीक्षा कर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। एसपी ने कहा कि लंबित मामलों का बोझ केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि आम जनता के न्याय से जुड़ा प्रश्न है।

जन शिकायत डायरी बनी चिंता का विषय

निरीक्षण के दौरान जन शिकायत से संबंधित डायरी अद्यतन नहीं पाई गई। इस पर एसपी ने खेद जताते हुए कहा कि जन शिकायत डायरी थाना की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक है। उन्होंने थानाध्यक्ष को सख्त निर्देश दिया कि इसे नियमित रूप से अपडेट किया जाए और शिकायतकर्ताओं को समयबद्ध न्याय दिलाया जाए। एसपी ने दो टूक कहा कि यदि भविष्य में इस तरह की लापरवाही सामने आई तो जिम्मेदार अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई तय है।

लंबित वारंट पर एसपी का सख्त रुख

न्यायालय द्वारा निर्गत वारंटों की समीक्षा में भी कई खामियां उजागर हुईं। बड़ी संख्या में वारंट लंबित पाए गए, जिस पर एसपी और अधिक सख्त नजर आए। उन्होंने कहा कि न्यायालय के आदेशों की अवहेलना पुलिस की छवि को नुकसान पहुंचाती है और इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। एसपी ने निर्देश दिया कि सभी लंबित वारंटों का त्वरित निष्पादन किया जाए, अन्यथा संबंधित कर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

आईओ की व्यक्तिगत समीक्षा, स्पष्टीकरण तलब

कांडों की समीक्षा के दौरान एसपी ने सभी अनुसंधान पदाधिकारियों (आईओ) की एक-एक कर प्रगति रिपोर्ट देखी। इसी क्रम में एक कांड में गंभीर लापरवाही पाए जाने पर आईओ नवीन श्रीवास्तव से स्पष्टीकरण मांगा गया। एसपी ने कहा कि अनुसंधान कार्य में पारदर्शिता, गुणवत्ता और गति तीनों अनिवार्य हैं। किसी भी स्तर पर ढिलाई अपराध नियंत्रण में बाधा बनेगी।

एक सप्ताह का अल्टीमेटम

निरीक्षण के दौरान मौजूद सर्किल इंस्पेक्टर को एसपी ने निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर सभी लंबित कांडों के निष्पादन की स्थिति में ठोस सुधार दिखना चाहिए। साथ ही एसडीपीओ पोलस्त कुमार को नियमित समीक्षा कर प्रगति रिपोर्ट कार्यालय को सौंपने का आदेश दिया गया। एसपी के इस औचक निरीक्षण से थाना परिसर में देर तक हलचल बनी रही। निरीक्षण के बाद यह साफ संदेश दे दिया गया कि डुमरांव थाना में अब जवाबदेही तय होगी और काम में लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई होकर रहेगी।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों और देशभक्ति के रंग में सराबोर रहा मदर टेरेसा कॉन्वेंट स्कूल का वार्षिकोत्सव

केटी न्यूज/नावानगर

सोनवर्षा के मदर टेरेसा कॉन्वेंट स्कूल प्रांगण में सोमवार को 9वां वार्षिकोत्सव व 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई, जिसका उद्घाटन विधायक राहुल सिंह, पूर्व विधायक अजीत कुशवाहा, जगदीशपुर विधानसभा के पूर्व विधायक रामविजय सिंह लोहिया तथा दिनारा विधानसभा के पूर्व विधायक विजय मंडल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। समारोह में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रमों में ह्ननारी की आवाजह्न, ह्नबेटा का गोकुलिया सिखियाह्न, ह्नबेटी अनमोलह्न, ह्नस्वच्छताह्न, ह्नझांकीह्न तथा ह्नमैंने नहीं देखी मेरे पापा की शादीह्न जैसे नाट्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल रहीं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज में नारी सशक्तिकरण, शिक्षा का महत्व, स्वच्छता अभियान और सामाजिक कुरीतियों पर प्रभावी संदेश दिया गया। मुख्य अतिथि विधायक राहुल सिंह ने अपने संबोधन में विद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे कार्यक्रम बेहद आवश्यक हैं। उन्होंने छात्रों को मेहनत, अनुशासन और देशभक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। वहीं अन्य अतिथियों ने भी विद्यालय के शैक्षणिक व सांस्कृतिक योगदान की प्रशंसा की। विद्यालय के डायरेक्टर विरेंद्र सिंह एवं प्रधानाध्यापक सुरेंद्र कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि मदर टेरेसा कॉन्वेंट स्कूल शिक्षा के साथ संस्कार देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ। पूरे आयोजन के दौरान विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा और उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

डॉ. भीमराव आंबेडकर छात्रावास रामपुर में रसोइयों का बवाल, जीविका दीदियों ने किया धरना-प्रदर्शन

केटी न्यूज/केसठ

खंड क्षेत्र के रामपुर गांव स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर छात्रावास में बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब छात्रावास में रसोई का कार्य कर रही जीविका दीदियों को अचानक कार्य से हटा दिया गया। इस कार्रवाई से आक्रोशित जीविका दीदियां छात्रावास के मुख्य गेट पर धरने पर बैठ गईं, जिससे काफी देर तक तनावपूर्ण माहौल बना रहा।

मिली जानकारी के अनुसार छात्रावास में कार्यरत कुल 26 जीविका दीदियों में से 6 दीदियों को बिना पूर्व सूचना के कार्य से बाहर कर दिया गया। आरोप है कि जीविका सुपरवाइजर गोपाल कुमार, पिंटू कुमार एवं रजनीश कुमार द्वारा इन दीदियों पर चोरी का आरोप लगाते हुए उन्हें हटाया गया। इस कार्रवाई से नाराज सभी जीविका दीदियां एकजुट हो गईं और इसे मनमाना निर्णय बताते हुए छात्रावास

गेट पर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया।

धरना की सूचना मिलते ही जीविका कैंटीन प्रबंधक राज मौके पर पहुंचे और प्रदर्शन कर रही दीदियों से वार्ता की। प्रबंधक द्वारा दीदियों को पुनः कार्य पर रखने का आश्वासन दिए जाने के बाद मामला शांत हुआ और धरना समाप्त कराया गया। हालांकि, दीदियों का कहना था कि उन पर लगाए गए आरोप निराधार हैं और उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है।बताया जाता है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी छात्रावास में रसोईयों पर चोरी व अन्य आरोप लगाकर उन्हें हटाया गया था, जिसकी शिकायत प्रखंड विकास पदाधिकारी तक पहुंची थी। उस समय बीडीओ द्वारा मामले की गहन जांच कराई गई थी। जांच के दौरान छात्रावास में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का भी अवलोकन किया गया था, जिसमें जीविका दीदियों पर लगाए गए अधिकांश आरोप तथ्यहीन और झूठे पाए गए थे।जानकारों की मानें तो छात्रावास में आए दिन होने वाले विवाद जीविका संगठन के भीतर सीएलएफ, बीपीएम और सुपरवाइजरों के बीच चल रहे आंतरिक मतभेद का परिणाम हैं। इन आपसी विवादों का खामियाजा सीधे तौर पर कार्यरत जीविका दीदियों को भुगतना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि छात्रावास प्रबंधन सच्चाई को सामने आने से रोकने का प्रयास कर रहा है। इसी कारण छात्रावास परिसर में मीडिया के प्रवेश पर कथित रूप से रोक लगाई गई है, ताकि अंदर चल रही अव्यवस्थाओं और विवादों की जानकारी सार्वजनिक न हो सके। फिलहाल आश्वासन के बाद स्थिति सामान्य बताई जा रही है, लेकिन जीविका दीदियों का कहना है कि यदि भविष्य में इस तरह की मनमानी दोहराई गई तो वे पुनः आंदोलन करने को बाध्य होंगी। वहीं, प्रशासनिक स्तर पर अब तक किसी औपचारिक जांच या कार्रवाई की घोषणा नहीं की गई है।